मानक वर्तनी

शब्द निर्माण में मानक वर्तनी का प्रयोग निम्नलिखित तरीकों से होता है।

संयुक्ताक्षर की वर्तनी:

मान्य	अमान्य
ट्ट, ट्ठ	ट्ट, ट्ठ
ड्ड, ड्ढ	ड्ड, ड्ढ
द्द, द्ध	द्द, द्ध
ह्न, ह्य	ह्न, ह्य
द्य, द्व	द्य (द्य), द्व

मान्य	अमान्य
त्त,क्त	त्त, क्त
क्र, थ्र	क्र, थ्र
ल्ल, न्न	ल्ल, न्न
द्धि	द्धि

मात्रा प्रयोग की वर्तनी :

मान्य : इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ

अमान्य : अि, अी, अु, अू, अे, अै

संयुक्ताक्षर शब्द की वर्तनी :

मानक नियमों के अनुसार लिखे गए प्रमुख संयुक्ताक्षर शब्द निम्नलिखित हैं।

बुद्धि	द्वितीय	चिट्ठियाँ	शुद्धि	सिद्धि	द्विगुणित	छुट्टियाँ	यद्यपि
लट्टू	लड्डू	चट्टान	इकट्ठा	बुड्ढा	राष्ट्र	श्लोक	सभ्य
शुद्ध	वृद्ध	बुद्ध	उद्योग	गद्य	पद्य	प्रसिद्ध	ब्रह्म
मुक्त	पक्का	चक्कर	टक्कर	दफ्तर	भुक्त	उत्तर	गट्ठर
कच्चा	छज्जा	लज्जा	शय्या	नगण्य	विघ्न	म्यान	स्वाद
कुत्ता	पत्ता	सत्ता	महत्त्व	त्र्यंबक	न्यून	अच्छा	ब्योरा

विभक्ति का उपयोग :

1. किसी सर्वनाम के साथ एक प्रत्यय रहने पर दोनों संयुक्त हो जाते हैं।
   जैसे : मैंने, हमने, तुमने, उसने, उन्होंने, आपने, किसने, मुझपर इत्यादि।

2. यदि किसी सर्वनाम के साथ दो प्रत्यय हो तो अंतिम प्रत्यय अलग हो जाता है।
   जैसे : मुझमें से, उनमें से, आपमें से

3. कुछ प्रत्यय सर्वनाम के साथ हमेशा पृथक रहते हैं।
   जैसे : मैंने **ही**, तुमसे **भी**, मुझ **तक**, मेरे **साथ**, **श्री** देव

4. संज्ञा शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय हमेशा पृथक रहते हैं।
   जैसे : श्याम ने, राधा को, स्त्री को, जहाज में, नदियों में, रास्ते पर इत्यादि।

5. यदि 'य' और 'व' का प्रयोग स्वरात्मक हो तो **ये** का **ए** और **वा** का **आ** हो जाता है।
   जैसे : किए (ये ×), गए (ये ×), नई (यी ×), गई (यी ×), रुपए (ये ×), हुआ (वा ×), कौआ (वा ×)

6. अनुनासिक जिस वर्ग का हो उस वर्ग के प्रथम चार अक्षरों में से कोई अक्षर आने पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।
   जैसे : बिन्दी, गङ्गा, चञ्चल, ठण्डा

7. द्वंद्व समास, द्विरुक्त शब्द, -सा (जैसा अर्थ में) हायफन का प्रयोग होता है।
   जैसे : राम-श्याम, सीता-गीता, खट्टा-मीठा, नरम-गरम, नहाना-धोना, खान-पान, आगे-आगे, धीरे-धीरे, तरह्-तरह, जगह-जगह, उषा-सा, जरा-सा, फूल-सा, हल्का-सा इत्यादि।

8. संज्ञा के साथ आनेवाली विभक्ति यदि तत्पुरुष समास में हो तो एक शब्द बन जाता है।
   जैसे : जनसत्ता, लोकमत, जनकल्याण, गंगाजल, आत्महत्या इत्यादि।

9. पृथक : अव्यय 'तक', 'साथ' सदा पृथक; 'श्री', 'जी', 'ही', 'भी' सदा पृथक (अलग) ही रहता है।
   जैसे : श्री राम, महात्मा जी, आप ही करेंगे।

10. हाइफनवाले शब्द : **जैसे :** छोटा-सा, उषा-सा।

मानक शब्द उच्चारण :

अ का उच्चारण :

1. अकारांत शब्द रहने पर, अंतिम 'अ' का उच्चारण लोप हो जाता है।
   जैसे : बात्, रात्, आज्, राज्, नमक्, किताब्, कमल् इत्यादि।

2. शब्द में 'अ' के बाद दीर्घ स्वरयुक्त अक्षर हो तो 'अ' का उच्चारण लोप हो जाता है।
   जैसे : बर्सात, बर्बाद, दर्वाजा, अव्तार इत्यादि।

3. अकारांत शब्द का अंतिम वर्ण व्यंजनयुक्त संयुक्ताक्षर हो तो 'अ' का पूर्ण उच्चारण होता है।
   जैसे : द्वंद्व, मनुष्य, तत्त्व, सत्त्व, महत्त्व, व्याप्त, शुद्ध, बुद्ध, वृद्ध, सूर्य इत्यादि।

4. अंतिम य के पूर्व इ, ई या ऊ आने पर 'अ' का पूर्ण उच्चारण होता है।
   जैसे : प्रिय, भारतीय, राष्ट्रीय, आत्मीय इत्यादि।

5. **ऐ, औ का उच्चारण :** शब्दों में 'ऐ' अथवा 'औ' की मात्रा रहने पर ऐ का एय और औ का अउ हो जाता है।
   जैसे : ऐनक (अइनक), कैसा (कइसा), वैसा (वइसा), जैसा (जइसा), भैया (भय्या), मैया (मय्या)
   कौन-सा (कउन-सा), कौआ (कउआ), औरत (अउरत), मौज (मउज) इत्यादि।

6. **ऋ का उच्चारण :** 'ऋ' युक्त शब्दों के उच्चारण में 'रि' हो जाता है।
   जैसे : ऋषि (रिषि), अमृत (अम्रित), ऋण (रिण), मातृभूमि (मात्रिभूमि), मृत्यु (म्रित्यु), शृंगार (शृंगार)

7. **ज्ञ का उच्चारण :** 'ज्ञ' युक्त शब्दों के उच्चारण में ज्ञ का ग्य हो जाता है।
   जैसे : ज्ञान (ग्यान), यज्ञ (यग्य), आज्ञा (आग्या), ज्ञानदेव (ग्यानदेव)

स्वाध्याय

प्र.1. शब्दों को वर्तनी के मानक नियमों के अनुसार लिखिए:

1.	**उत्तर**	**2.**	**बुध्दिमान**	**3.**	**महत्त्व**	**4.**	**गद्य**
5.	**खोईसी**	**6.**	**किन्तु**	**7.**	**रोयी**	**8.**	**सांप**
9.	**विद्या**	**10.**	**यद्यपि**	**11.**	**उत्क्ति**	**12.**	**प्राणदण्ड**

उत्तर:

1.	उत्तर	2.	बुद्धिमान	3.	महत्त्व	4.	गद्य
5.	खोई-सी	6.	किंतु	7.	रोई	8.	साँप
9.	विद्या	10.	यद्यपि	11.	उक्ति	12.	प्राणदंड

प्र.2. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध वर्तनी में लिखिए:

1. कौवा काले होते हैं।

2. मातपिता का खयाल रखना हमारा दाइत्व है।

3. गन्गा नदी हिमालय से नीकलती है।

4. आंतकवादी को मृत्युदण्ड की सज़ा मिलनी चाहिए।

5. दियाको धक्का दिया।

उत्तर:

1. कौवे/कौए काले होते है।
2. माता-पिता का ख्याल रखना हमारा दायित्व है।
3. गंगा नदी हिमालय से निकलती है।
4. आतंकवादी को मृत्युदंड की सज़ा मिलनी चाहिए।
5. दिया को धक्का दिया।